भूटान के शिक्षक दल का किया गया स्वागत

ऋषिकुल विद्यापीठ में भूटान से आए शिक्षक दल • सौ. स्कूल

वि. सोनीपत : ऋषिकुल विद्यापीठ में शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत भूटान से आए शिक्षक दल का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भूटानी शिक्षक भारतीय शिक्षण तकनीकों, कक्षा-प्रबंधन और नवाचारों का प्रत्यक्ष अनुभव लेंगे। विद्यालय चेयरमैन एसके. शर्मा ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई दृष्टि प्रदान करने वाला बताया, वहीं निदेशक धीरज शर्मा ने इसे वैश्विक समझ विकसित करने का माध्यम करार दिया। इस अवसर पर ग्रीष्मकालीन सत्र का भी शुभारंभ हुआ, जिसमें पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारतीय संस्कृति की झलक पेश की।

ऋषिकुल विद्यापीठ में भूटान शिक्षक दल का किया स्वागत

ऋषिकुल विद्यापीठ पहुंचा भूटान के शिक्षकों का दल। स्रोत : स्कूल

सोनीपत (वि)। ऋषिकुल विद्यापीठ में शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत भूटान से आए शिक्षक दल का स्वागत किया गया। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में भूटान के शिक्षक भारतीय शिक्षा पद्धति, शिक्षण तकनीकों, कक्षा-प्रबंधन एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करेंगे।

विद्यालय चेयरमैन एस के शर्मा ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम शिक्षा को नई दिशा देते हैं। निदेशक धीरज शर्मा ने इसे वैश्विक समझ विकसित करने का माध्यम बताया। इस अवसर पर ग्रीष्मकालीन सत्र का शुभारंभ भी हुआ जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति की आकर्षक झलक प्रस्तुत की।

भारतीय शिक्षा पद्धति, शिक्षण तकनीक, कक्षा प्रबंधन का अनुभव प्राप्त करेगा दल

ऋषिकुल विद्यापीठ में भूटान के शिक्षक दल का भव्य स्वागत

कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए लाभकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ में कार्यक्रम के दौरान भूटान से आए शिक्षक दल।

ऋषिकुल विद्यापीठ में शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत भूटान से आए शिक्षक दल का भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया गया। शिक्षक दल करीब एक सप्ताह तक विद्यालय में रहकर भारतीय शिक्षा पद्धति, शिक्षण तकनीकों, कक्षा प्रबंधन व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का अनुभव प्राप्त करेगा। इस दौरान कार्यशालाओं, सेमिनारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों देशों के शिक्षकों के बीच ज्ञान और अनुभव साझा किए जाएंगे।

विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। निदेशक धीरज शर्मा ने इसे वैश्विक समझ विकसित करने का माध्यम बताया। ग्लोबल आउटरीच डायरेक्टर अर्चना शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम संस्कृतियों और मूल्यों के आदान-